to the provisional estimates of the World Tourism Organisation.

(c) The room occupancy in respect of approved hotels in Delhi, by and large, during the first six months of 1983 has shown a decline compared to the corresponding period of last year.

Indian's balance of trade with USSR

1755. SHRIMATI MAIMOONA SULTAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what was the balance of trade with the USSR during 1982-83 and what is the balance of trade at present and how far the trade imbalance is likely to be reduced by the end of May, 1983-84; and

(b) what steps are being taken by Government to reduce the imbalances?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRIMATI RAM DULARI SINHA): (a) India's favourable balance of trade with the USSR during 1982-83 (April—January) has been provisionally placed at Rs. 133 crores. Information about the balance of trade in 1983-84 is not available.

(b) Recently, an Inter-Ministerial Working Group and a Standing Working Committee have been set up to monitor India's trade with Soviet Union and to study problems relating to import of equipment and technology from the USSR. Regular monitoring and review of bilateral trade is carried out with USSR authorities by us with the objective of achieving a balanced growth of Indo-Soviet trade.

Indo-Soviet trade Cooperation

1756. SHRIMATI MAIMOONA SULTAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether India and the Soviet Union have recently entered into an agreement for economic and trade cooperation and collaboration in respect of high technology;

(b) if so, what are the details of the agreement; and

(c) what steps have been taken so far, in pursuance thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRIMATI RAM DULARI SINHA): (a) No, Sir. No such agreement has been entered into recently.

(b) and (c) Do not arise.

---

12 NOON

Reference to be Repeated

Fast by Shri Gulzari Lal Nanda

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : सभापति महोदय, माननीय नन्दा जी, भूतपूर्व प्रधान मंत्री भारत सरकार 10-11 दिन से अनशन पर है । उनका यह अनशन पंजाब में जो नर हत्याए चल रही हैं, तमिलभाषी लोगों पर श्रीलंका में व्यवहार हो रहा है उसके लिए वे अनशन कर रहे हैं । उनकी हालत बहुत गम्भीर है । मैं आपका ध्यान आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हू । मैं यह चाहता हूं कि सरकार इस पर जल्दी से उनके साथ वार्ता करे ताकि वे अपना अनशन समाप्त करें ।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (मध्यप्रदेश): मैं समझता हूं कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिये । नन्दा जी के उपवास के बारे में... (**व्यवधान**)

[**Mr. Deputy Chairman** in the Chair]

ALLEGED EMBEZZLEMENT OF FUNDS ALLOTTED FOR RELIEF AND REHABILITATION IN JAMMU AND KASHMIR

SHRI VISHWAJIT PRITHVIJIT SINGH (Maharashtra): Sir, I wish to

[Shri Viswajit Prithvijit Singh]

bring to your attention a matter of grave national importance. (*Interruptions*) Funds for relief and rehabilitation have been embezzled by the Government of Jammu and Kashmir. (*Interruptions*) Rupees six crores and thirty-two lakhs.... (*Interruptions*)

श्री जे० के० जैन (मध्य प्रदेश) : मैं मांग करता हूं, आप इस पर डिबेट करवाइये ? (व्यवधान) इस प्रकार का एम्बज़लमेंट हुआ है (व्यवधान) इस पर डिबेट किया जाए और यह कह कर के न छोड़ा जाए कि स्टेट का मामला है (व्यवधान) साढ़े छै करोड़ रुपया रिलीफ के नाम पर जो दिया गया है इस स्टेट के अन्दर (व्यवधान) उसको कनस्ट्रेंट लिस्ट में... (व्यवधान)

श्री उपसभापति : ठीक है, आपने जो नोटिस दिया है उस पर विचार होगा। (व्यवधान)

श्री शरीफुद्दीन शारिक़ (जम्मू और काश्मीर) : यह कांग्रस वाले जिस तरह से वहां हार गये... (व्यवधान)

†[شری شریف الدین شارق :

(جموں اور کشمیر) یہ کانگریس والے جسطرح سے وہاں ہار گئے .....

(مداخلت)]

श्री जे० के० जैन : इसके ऊपर मैंने जो नोटिस दिया है... (व्यवधान) डिबट कराइये (व्यवधान)

श्री उपसभापति : आपने नोटिस दिया है, उस पर विचार किया जाएगा। इतना परेशान क्यों हो रहे हैं (व्यवधान)

I c an't hear all. (*Interruption*).

श्री शरीफुद्दीन शरिक़ : डिप्टी चेयरमैन साहब, आप हमारी बात सुन लीजिये।

†[شری شریف الدین شارق :

ڈپٹی چیر مین صاحب آپ ہماری بات سن لیجئے -]

श्री उपसभापति : जब नोटिस सबमिट किया जाएगा तब ही... (व्यवधान)

Please resume your seat. (*Interruptions*) Don't get agitated so much.

श्री शरीफुद्दीन शारिक़ : आप हमारी बात भी सुन लीजिये (व्यवधान)

†[شری شریف الدین شارق :

آپ ہماری بات بھی سن لیجئے ..

(مداخلت)]

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now you have drawn the attention of the Chair. You have given notice. That notice will be considered. I think the Chairman will take a decision in a day or two. Why are you worried about it? (*Interruptions*)

श्री शरीफुद्दीन शरिक : आप हमारी बात क्यों नहीं सुनते (व्यवधान) हमारी बात क्यों नही सुनते (व्यवधान) आप तो उनकी बात सुनते है हमारी बात नहीं सुनते हैं (व्यवधान) जिन्होंने 22 करोड़ रुपया गंवाया इलेक्शन में (व्यवधान) वहां चोरियां की (व्यवधान) डकैतियां की (व्यवधान) आज वे इल्जामतराशी पर आए हुए हैं (व्यवधान) कांग्रेस का वहां मुंह काला कर दिया लीगों ने (व्यवधान) कांग्रेस पार्टी ने 22 करोड़ रुपया खर्च किया (व्यवधान) आज कहते हैं (व्यवधान) हम को सफाई का मौका नहीं देते हैं (व्यवधान)

†[شری شریف الدین شارق :

آپ ہمار بات کیوں نہیں سنتے ... "مداخلت" ہماری بات کیوں

Translitération in Arabic Script.

نہیں سنتے .... (مداخلت) آپ تو
انکی بات سنتے ہیں - ہماری بات
نہیں سنتے ہیں .... (مداخلت)
جنھوں نے ۲۲ کروڑ روپیہ گنوایا
الیکشن میں ..... (مداخلت)
وہاں چوریاں کیں .... (مداخلت)
ڈکیتیاں کیں ..... (مداخلت)
آج وہ الزام تراشی پر آئے ہوئے ہیں
.... (مداخلت) کانگریس کا وہاں
منہہ کالا کر دیا لوگوں نے .....
(مداخلت) کانگریس پارٹی نے ۲۲
کروڑ روپیہ خرچ کیا .... (مداخلت)
آج کہتے ہیں ..... (مداخلت)
ہم کو صفائی کا موقعہ نہیں دیتے
ہیں ..... (مداخلت)]

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let me clarify one position. Some members are bringing to notice that they have given some Calling Attention Notices regarding some matters....

SHRI LAL K. ADVANI (Madhya Pradesh): It is not 'some matters'. After the record that has just been heard, it is not 'some matters'. It has ceased to be 'some matters'.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We shall consider the notices that you have given and if it is thought that it should be admitted for Calling Attention or in some other way, it will be decided; no problem. Why should you get agitated? When the matter is taken up, then you can make your observations. At this stage you cannot raise a discussion on that point.

SHRI SYED SIBTE RAZI (Uttar Pradesh): Some Members on the Treasury Benches and some on that side also want an immediate discussion on those points because that Government embezzled money....

SHRI LAL K. ADVANI: I am on a point of order.....

(Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing to be recorded.

(Interruptions)

I would appeal to honourable Members, we cannot have a discussion on the subject on which you have given a notice. This is not the occasion for that. It will not be proper if you start this procedure; it will be very difficult if everytime the matter of a Calling-Attention Notice is to be discussed like this. That is not proper....(*Interruption*) Mr. Visvajit, I think you have made your point. I don't think a clarification is required at this stage. If we enter into a discussions, it will create a problem....(*Interruptions*)

SHRI LAL K. ADVANI: I am on a point of order. Till now, very often matters raised....

श्री जे० के० जैन : ये विचार सुनिये।

श्री उपसभापति : विचार सुनने का अवसर आयेगा तब सुनूंगा। अभी विचार सुनने का अवसर नहीं है (**व्यवधान**)

डा० भाई महावीर (मध्य प्रदेश) : इस तरह से क्या करते हैं... (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : देखिये यह नियम है। आप भी ऐसा ही करते हैं, ये भी करते हैं। कभी आप करते हैं, कभी ये करते हैं।

डा० भाई महावीर : श्रीमन्, ये तो आपोजीशन नहीं है, ये तो रूलिंग पार्टी है। इनको तो सदन की मर्यादा का ध्यान अधिक रखना चाहिए (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : सब को रखना चाहिए... (**व्यवधान**)

SHRI LAL K. ADVANI: I am on a point of order. Till now, very often matters raised....

श्री जे० के० जैन : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। आपको पहले सतपाल मित्तल

[श्री० जे के० जैन]

को सुनना चाहिए था । आप आडवाणी जी को समय दीजिये, मुझे कोई ऐतराज नहीं है लेकिन उपसभापति महोदय, विश्वजीत सिंह जी खड़े हुए, आपने उनको समय नहीं दिया, सतपाल मित्तल खड़े हुए, आपने उनको समय नहीं दिया । आप आडवाणी जी को समय दे रहे हैं, मुझे कोई ऐतराज नहीं है लेकिन उनको सुनने के पहले... (**व्यवधान**) इनको सुन लें । यही मेरा आपसे निवेदन है (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति । कोई प्वाइंट आफ आर्डर ऐसा नहीं है जिस पर अभी हम बहस सुन लें । कई मेम्बरों ने... (**व्यवधान**) वह कह कि कोई कालिंग अटेंशन दिया है और उसको हम चाहते हैं कि एक्सेप्ट किया जाय । यही प्वाइंट था ।

(*Interruptions*) I promise I will convey this feeling to the honourable Chairman and he will take a decision in the matter. Now, let me tell you, I don't think you require a further clarification. (*Interruption*) Are you going to have an outright discussion on the matter I don't allow you to go into the merits of the case. You cannot discuss the matter. You have raised certain matters before the honourable Chairman. He will take a decision on them. That is the usual procedure that —Now, in famairness, the members of the

DR. RAFIQ ZAKARIA (Maharashtra): raise a point of order. (*Interruptions*).

SHRI LAL K. ADVANI: You have allowed me to raise a point of order.

SHRI J. K. JAIN: There is no point of order in this now.

SHRI LAL K. ADVANI: Sir, you have allowed me to raise a point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर बहुत सीमित है । साधारणतया सभापति की ओर से ऐसी चीज़ का जिक्र भी नहीं करने दिया जाता है जिसको माना जाए कि किसी दूसरी सरकार के खिलाफ आरोप है, जब तक कि आप उस पर विचार करके और विचारपूर्वक स्वीकार कर लें बहस के लिए कि इसमें कोई आपत्ति नही है, क्योंकि यहां पर एक सदस्य ने खड़े होकर के जम्मू एण्ड कश्मीर सरकार पर आरोप लगा दिया । अब वह आरोप कोई तीन महीने का नहीं होगा । अगर गबन किया गया है, तो वह चार, पांच साल तक हुआ होगा ।

मै तो उसको एक्सपोज़ करना चाहूंगा कि कहां गबन हुआ है... (**व्यवधान**) लेकिन मेरा निवेदन है कि मापदण्ड एक होना चाहिए । आप अभी तक कई बार आदेश देते हैं कि यह चीज कार्यवाही में नहीं आएगी, जबकि मैं इस मत का हूं कि कार्यवाही में न जाने के अधिकार का प्रयोग होना ही नहीं चाहिए । लेकिन इसके पहले कभी भी कोई नोटिस मोशन का देता है, और उस का जिक्र कर देता है विषय का जिससे कि अखबार मे छप जाए, तो आप रोकते रहे हैं जम्मू और कश्मीर के खिलाफ आरोप छप जाए और जो जम्मू और कश्मीर के प्रतिनिधि यहां बैठे है, उनको जवाब देने का मौका भी न मिले, यह कोई अच्छी बात नही है । इसलिए मेरा प्वाइंट आफ आर्डर लिमिटेड है... (**व्यवधान**) मैं आपका पूरा साथ दूगा । जब आपने इनको जिक्र करने का मौका दिया है, तो उनको भी कहने का मौका दीजिए, ।

—Now, in fairness, the members of the National Conference should be allowed to have their say. That is all that I want to say.

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर सुनिये । यह रूलिंग पार्टी बराबर... (व्यवधान)

श्री उपसभापति : एक प्वाइंट आफ आर्डर में दूसरा प्वाइंट आफ आर्डर नहीं उठता है ।

श्री रामेश्वर सिंह : हम चाहते हैं कि फिक्सड कार्यवाही चले । इस पर बहस हो... (व्यवधान)

श्री उपसभापति : आप भी बहस चाहते हैं... (व्यवधान)

DR. RAFIQ ZAKARIA (Maharashtra): MR. Deputy Chairman, Sir.....

श्री रामेश्वर सिंह : उपसभापति महोदय... (व्यवधान) मेरा कहना है कि.. (व्यवधान)

श्री उपसभापति : आप इनको बोलने दीजिए । Yes, Mr. Zakaria.

श्री रामेश्वर सिंह : अच्छा, हमारी बात उनकी बात के बाद सुन लीजिए ।

SHRI SYED SIBTEY RAZI: Sir, he is trying to curb the rights of the Members. Every Member has a right to raise a point of order. (*Interruptions*).

DR. RAFIQ ZAKARIA: Mr. Deputy Chairman, Sir,.....

श्री रामेश्वर सिंह : उपसभापति जी, मेरा कहना यह है... (व्यवधान)

श्री उपसभापति : आप उनको बोलने दीजिए । अब एक आदमी बोले, तो बात समझ में भी आए ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have called Dr. Zakaria and not you.

श्री रामेश्वर सिंह : अच्छा, हमारी बात उनके बाद सुन लीजिए ।

DR. RAFIQ ZAKARIA: Mr. Deputy Chairman, Sir, I think Mr. Advani has not been either fair or correct. There have been numerous instances here where the Members had got agitated when a certain grave matter had come to their notice. Mr. Antulay's case is a case in point. There have been several other cases also. Therefore, to say that since a notice has been given for a Calling-Attention Motion and the Members, simply because they belong to the ruling party, cannot raise it here, is not correct and this kind of an attitude that the Members of the opposition on certain issues have a privileged position and that they alone can raise them, and that the Members belonging to our side of the House, even if they feel agitated—they do feel agitated because their own Government is not taking certain action—cannot raise them, is not a correct attitude. Why should we not have an opportunity? Therefore, to say that unless a proper procedure is followed, nothing should be mentioned in the House, is not correct. Mr. Advani knows it very well and Mr. Advani has been the Leader of this House. (*Interruptions*).

SHRI MANUBHAI PATEL (Gujarat): What prevents your Government from taking action? (*Interruptions*).

DR. RAFIQ ZAKARIA: Therefore, Sir,....

SHRI MANUBHAI PATEL: Why don't you take action? You want to use the floor of the House? (*Interruptions*).

DR. RAFIQ ZAKARIA: Therefore, Sir, it is a matter of grave importance and you will find many precedents that even before a Calling-Attention notice has been allowed or is accepted, Members have been allowed to express their views and certainly, Sir, you should give this opportunity to Mr. Singh to say what he has to say in this matter. Thousands of precedents can be.... (*Interruptions*)

श्री रामेश्वर सिंह : आप मेरी बात सुनिये । आप दूसरों को सुनते हैं ।

श्री उपसभापति : कुर्सी पर बैठता हूं तो रोज आप को ही सुनता हूं (व्यवधान)

श्री रामेश्वर सिंह : . . . , अपोजीशन के लोगों को बोलने नहीं देते ।

श्री उपसभापति : आप बैठिए ।

श्री रामेश्वर सिंह : मेरी बात तो सुनिये ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seats. (*Interruptions*) Mr. Bhandare, please.

श्री सैय्यद सिब्ते रजी : विरोध पक्ष के श्री माथुर ने कहा था कि श्रीमती इन्दिरा गांधी का पैसा स्वराज पाल के जरिये आ रहा है । मैं चाहता हूं . . . (व्यवधान) श्रीमती इन्दिरा गांधी जो देश की ही नहीं, विश्व की नेता हैं उन के ऊपर आक्षेप करते हुए उन का सिर शर्म से झुक जाना चाहिए ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I can call all of you. (*Interruptions*) Please take your seats. (*Interruptions*)

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE (Maharashtra): Mr. Deputy Chairman, Sir, I find that sobriety and dignity are the first casualties. . . .

SOME HON. MEMBERS: From your side. (*Interruptions*)

SHRI MANUBHAI PATEL: Organised. . . . (*Interruptions*) from your side. (*Interruptions*)

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: Please listen to me.

Sir, yesterday I raised three points in regard to Jammu and Kashmir Government, about which I have given, in one case, notice of a motion and, in two cases, Calling Attention Notices. The first is about the rigging of elections in Jammu and Kashmir. (*Interruptions*)

SHRI HAREKRUSHNA MALLICK (Orissa): What about Assam? (*Interruptions*)

SHRI SHARIEF-UD-DIN SHARIQ: I protest. हमारी सरकार अवाम के वोट से बनी है ।

†[ھماری سرکار عوام کے ووٹ سے بنی ھے -]

श्री सैय्यद सिब्ते रजी : आगजनी कर-के, छुरे चला कर आप ने इलेक्शन जीता है । आप ने जम्हूरियत का मज़ाक उड़ाया है । आप ने अपनी ताकत का बेहूंदा इस्तेमाल किया है । आप हिन्दू और मुसलमान की बात करते है, आप जज्बात से खेलना चाहते हैं ।

श्री शरीफुद्दीन शारिक़ : गांधी जी को भुला कर आप ने फिरकापरस्ती की आग फैला दी ।

†[شری شریف الدین شارق : گاندھی جی کو بھلا کر آپ نے فرقہ پرستی کی آگ پھیلا دی -]

MR. DEPUTY CHAIRMAN: One by one. (*Interruptions*)

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: This is a very serious question. . . . (*Interruptions*)

SHRI J. K. JAIN: Stop him. (*Interruptions*)

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: Sir, this is a very serious question because it encroaches upon the Members' right to move any particular subject for discussion in the manner provided under the Rules. I have also given a Calling Attention Notice on the utterances of Jammu and Kashmir Law Minister saying that the Jammu and Kashmir Constitution does not permit the transfer, of the Chief Justice of Jammu and Kashmir . . . (*Interruptions*) I have stated that he has violated the oath of allegiance which he has taken.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You can make all these points if a discussion is allowed.

†[ ] Transliteration in Arabic script.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: The third point which I raised was.... *(Interruptions)*

SHRI J. K. JAIN: Let him have his say. *(Interruptions)* I have to protect him. *(Interruptions)*

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: Yesterday I raised this point. But you did not listen to me. If yesterday you had listened to it and assured that this matter would be looked into, probably today such things would have been avoided. The third point I raised was that it was in yesterday's papers that there were reports from the Comptroller and Auditor-General of India that hundreds of crores of rupees which have been given by the Centre have been misappropriated and embezzled. Sir, it is not correct for the opposition to say that issues of this vital importance which go to the root of the constitutionality of several problems and the free democratic way of life can be ignored. Free polling and embazzlement running into crores of rupees are matters which cannot be postponed compelling us to wait for you patiently to decide. You don't decide also. I would like you to tell what you are doing about them.

श्री शरीफुद्दीन शारिक : : दो, तीन बातों के बारे में हमारे दोस्तों ने यहां इशारा किया है जिस में जम्मू काश्मीर गवर्नमेंट को मेलाइन करने और बदनाम करने का मकसद है और यह जब से बन रहा है जब से कांग्रेस आई अपनी करतूतों की वजह से जख्म खाकर, शिकस्त खा कर वहां से आयी है । (**व्यवधान**) आप मेरी बात सुनिये (**व्यवधान**)

†[شری شریف الدین شارق :

دو تین باتوں کے بارے میں ہمارے دوستوں نے یہاں اشارہ کیا ہے جس میں جموں کشمیر گورنمنٹ کو مہلائی کرنے اور بدنام کرنے کا مقصد ہے اور یہ جب سے بن رہا ہے جب سے کانگریس آئی اپنی کرتوتوں کی وجہ سے زخم کھا کر - شکست کھا کر وہاں سے آئی ہے ..... (مداخلت) آپ میری بات سنئے ... (مداخلت)]

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Since it concerns the report of the Comptroller and Auditor General, it is not possible to take it up. The notice has been received in the office only yesterday. It was received some time during the day.

श्री शरीफुद्दीन शारिक : अगर हम इस फोरम को काश्मीर सरकार के खिलाफ गंद उछालने के लिये इस्तेमाल करना चाहते हैं तो ऐसा करने के लिये हम इजाजत नहीं देंगे । रूल्स के तहत आप जब किसी को किसी बात के लिये एलाऊ करते हैं तो उस में हमारा सर तसलीमे खम है, लेकिन इस आड़ में बैठना कि काश्मीर सरकार जो वहां आईन और कानून से बनी हुई सरकार है उस पर गंद उछालने की बात कहीं से आये और आप उस पर गंदगी उछालने की कोशिश करें तो यह हम अपनी ही नहीं सारी काश्मीर की जनता की तौहीन समझते हैं । आज काश्मीर की जनता ने इन के सेकुलरिज्म का चौराहे पर भांडा फोड़ दिया है जब यह गलियों में हिन्दुओं के लिये बातें करने लगते हैं (**व्यवधान**)

†[شری شریف الدین شارق :

اگر ہم اس فورم کو کشمیر سرکار کے خلاف گند اچھالنے کے لئے استعمال کرنا چاہتے ہیں تو ایسا کرنے کے لئے ہم اجازت نہیں دیں گے - رولس کی طرح آپ جب کسی کو کسی بات کے لئے الاؤ کرتے ہیں تو اس میں ہمارا سر تسلیم خم ہے لیکن

†[ ] Transliteration in Arabic script.

اس آڑ میں بیٹھنا کہ کشمیر سرکار جو وہاں آئین اور قانون سے بنی ہوئی سرکار ہے اس پر گندی اچھالنے کی بات کہیں سے آئے اور آپ اس پر گندگی اچھالنے کی کوشش کریں تو یہ ہم اپنی ہی نہیں ساری کشمیر کی جنتا کی توہین سمجھتے ہیں۔ آج کشمیر کی جنتا نے انکے سیکولرازم کا چوراہے پر بھانڈہ پھوڑ دیا ہے جب یہ گلیوں میں ہندوؤں کے لئے بانیں کرنے لگتے ہیں.... (مداخلت)]

SHRI HANSRAJ BHARDWAJ (Madhya Pradesh): The question is about embazzlement. He is evading the question.

श्री शरीफुद्दीन शारिक़ : बहस करने के लिये हम तैयार हैं, लेकिन वह अपने गिरेबान में भी मूंह डाल कर देखें। (व्यवधान)

†[**شری شریف الدین شارق :** بحث کرنے کے لئے ہم تیار ہیں - لیکن وہ اپنے گریبان میں بھی منھہ ڈال کر دیکھیں.... مداخلت]

SHRI B. SATYANARAYAN RTEDDY (Andhra Pradesh): You don't want to give any chance to us; either U.P. or Bihar.

श्री रामेश्वर सिंह : उपसभापति महोदय, अभी हमारे साथियों ने कुछ चर्चा उठायी है।

श्री उपसभापति : संक्षेप में ही कहिये।

श्री रामेश्वर सिंह : मैं संक्षेप मे ही कह रहा हूं। कई विरोधी दल के नेताओं ने और सत्तारूढ़ दल के लोगों ने मांग की है कि इस पर बहस हो। इस पर किसी को एतराज नही है, लेकिन मैं आप के द्वारा जानना चाहता हूं कि सत्तारूढ दल के लोग आज जो व्यवहार कर रहे हैं और जिस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं तो अपोजीशन के बारे में तो वे बराबर कहते हैं कि अपोजीशन हाउस को नहीं चलने देता है। (व्यवधान) उपसभापति महोदय, मैं यह कह रहा था कि प्रणब बाबू सुन रहे हैं, उनसे ही मैं आग्रह करूंगा क्योंकि वह हाउस के नेता हैं। सत्तारूढ़ दल के लोग हल्ला करके हमको बोलने नहीं देना चाहते हैं।...(व्यवधान)। हम चाहते हैं कि इस पर पूरः बहस हो और केवल बहस ही न हो, वहां पर कौन मजिस्ट्रेट बदला जाए, कौन जज बदला जाए, इतने तक ही यह बहस सीमित न रहे।... (व्यवधान)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

श्री जे० के० जैन : श्रीमन्, सारे सदन की यह राय है कि इस पर बहस होनी चाहिए। आप सदन को आश्वासन दे दीजिए।... (व्यवधान)

श्री मनुभाई पटेल : सारे मैम्बरों की राय नहीं है। सारे मैम्बरों की राय को पहले सुनो।...(व्यवधान)

श्री सैय्य सिब्ते रजी : और भ्रष्टाचार को छिपाओ।...(व्यवधान)

SHRI MANUBHAI PATEL: You are opposing Tamil Nadu. You are opposing West Bengal. (*Interruptions*)

श्री रामेश्वर सिंह : मेरा कहना यह है कि इलेक्शन कमीशन का जो रोल रहा है, चाहे जम्मू काश्मीर में हो, चाहे असम में हो, चाहे जहां कहीं भी हो, इस पर बहस होनी चाहिये। सत्तारूढ़ दल के लोगों को शर्म आनी चाहिए... (व्यवधान)। इलेक्शन कमीशन के रोल पर भी बहस यहां पर होनी चाहिए।

(*Interruptions*)

†[ ] Transliteration in Arabic script.

श्री उपसभापति : अब एक व्यवस्था का प्रश्न चल रहा है, उसको तो खत्म होने दीजिए । . . . (**व्यवधान**) Order please.

श्री विश्वजित पृथ्वीजित सिंह : उपसभापति महोदय, आपने मुझे इजाजत दी कि मैं एक छोटी सी बात जो कहना चाहता हूं वह कह सकूं ।

श्रीमन्, मैं पहली बात तो यह कहना चाहता हूं कि मैं जो हमारे मित्र जम्मू-काश्मीर के है, उनसे सहमत हूं कि वह ठीक कह रहे है जहां तक कि वे यह कहते हैं कि जो मसले स्टेट सब्जेक्ट है, वह यहां डिस्कस नहीं होने चाहिए । Those matters which are state subjects cannot be discussed in this House. I totally agree with them. Therefore, I say that the embezzlement of Rs. 52.65 crores in the Food and Civil Supplies cannot be discussed in this House. The embezzlement of Rs. 48.75 crores in the Building and Roads cannot be discussed in this House. The embezzlement of... (*Interruptions*) Rs. 28.72 crores of the Electricity Department cannot be discussed in this House. (*Interruptions*) The embezzlement of Rs. 25.32 crores of the Mechanical Stores cannot be discussed in this House. (*Interruptions*) The embezzlement of Rs. 15.84 crores of the Forests cannot be discussed in this House. The embezzlement of Rs. 14.10 crores... (*Interruptions*) cannot be discussed in this House. (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): Sir, I am on a point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude now.

SHRI DIPEN GHOSH: Sir, I am on a point of order.

श्री उपसभापति : पहले यह खत्म हो। Please conclude now.

SHRI VISHVAJIT PRITHVIJIT SINGH): The embezzlement of Rs. 5.34 crores on animal husbandry cannot be be discussed in this House. The embezzlement of Rs. 2.62 crores cannot be discussed in this House; the embezzlement of. .(*Interruptions*).. Rs. 2.58 crores on animal husbandhy cannot be discussed in this House...(*Interruptions*) ....the embezzlement of Rs. 17.31 crores of rural development...(*Interruptions*) ...cannot be discussed in this House...

SHRI GHULAM RASOOL MATTO (Jammu and Kashmir): I have the right to reply, Sir.

SHRI VISHVAJIT PRITHVIJIT SINGH: *Mike please, I will speak from* there...(*Interruptions*)

MR DEPUTY CHAIRMAN: No, please go to your seat.

I would request the Members not to make themselves a laughing stock like this. If you have to raise a point, that is quite clear. Please conclude now... (*Interruptions*)... No, I don't allow it; this is too much... (*Interruption*). Mr. Jain, please sit down.

On the point raised by Shri Advani, I think I have already said, the matter will be looked into by the Chairman. The matter is not so simple as the hon. Members seem to make before the House. It concerns certainly the State Government; the report has been submitted to the State Assembly or the State Government. Therefore, I would request you to bear with me. The notice was received only yesterday. The Chairman will look into it and give his decision. Now the matter is closed...(*Interruptions*).

SHRI GHULAM RASOOL MATTO: I have the right to reply.

DR. BHAI MAHAVIR: *You promised* to allow me also to make my point.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The matter is over now.

Statement by the Finance Minister